# कन्हईया की धुन में

( श्री कृष्ण, गोविन्द, हरे मुरारी,
हे नाथ, नारायण, वासुदेवा ॥ )
कन्हईया की धुन में, बहा जा रहा है।
*कन्हईया की धुन में, बहा जा रहा है ॥,
यहाँ श्याम है मन, वहाँ जा रहा है,,,
कन्हईया की धुन में, बहा जा रहा है ॥

मगन जब से मोहन में, मन हो गया है।
कहूँ क्या यह कितना, प्रसन्न हो गया है ॥
ये दिन रात बस, झूमता फिर रहा है,,,
कन्हईया की धुन में, बहा जा रहा है ॥

लगी ऐसी लौ, साँवरे से मिलन की।
रही न ज़रा सी भी, सुध अपने तन की ॥
छवि श्याम की, देखता जा रहा है,,,
कन्हईया की धुन में, बहा जा रहा है ॥

तनिक साँस गोविन्द, के रंग रंगा के।
यह खड़ताल इन, धड़कनों की वजा के ॥
ह्रदय प्रेम में, डूबता जा रहा है,,,
कन्हईया की धुन में, बहा जा रहा है ॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21620/title/kanhiya-ki-dhun-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |